अध्याय - 4

विश्लेषण

इस शोध कार्य के इस अध्याय मे उपकरणो के द्वारा प्राप्त प्रदतो का विश्लेषण करके उनकी व्याख्या की गई प्रदतो के विश्लेषण हेतु परिकल्पनाओ की विश्लेषण मे दो समूह होने के कारण स्वतत्र टी –परीक्षण का उपयोग किया गया । प्रस्तुतीकरण मे परिकल्पना का उल्लेख करके टी–परीक्षण की तालिका एव सबधित व्याख्या क्रमश प्रस्तुत है –

परिकल्पना क्र 01

प्राथमिक स्तर पर दृष्टिहीन एवं सामान्य विद्यर्थियो की शैक्षणिक समेकन सबधी धारणा मे कोई अतर नही है ।

तालिका क्र 01

प्राथमिक स्तर पर दृष्टिहीन और सामान्य विद्यार्थियो की शैक्षणिक समेकन सबधी धारणा मे अतर –

	दृष्टिहीन विद्यार्थी	सामान्य विद्यार्थी
प्रतिदर्श	9	1 1
मध्यमान	2 55	2 36
प्रमाण विचलन	0 51	0 66
टी अनुपात	86	

मुक्ताश 18, 'टी' (05) – 2 10, 'टी' (01) – 2 88 प्रस्तुत 'टी' मान 86, परिणाम निरर्थक (सार्थक नही)

व्याख्या —

तालिका क 1 का अवलोकन से यह स्पष्ट होता है कि प्राथमिक स्तर के दृष्टिहीन विद्यार्थियो की शैक्षणिक समेकन सबधी धारणा के प्राप्ताको का मध्यमान 2 55 है तथा प्रमाप विचलन 0 51 पाया गया और सामान्य विद्यार्थियो की शैक्षणिक समेकन सबधी धारणा के प्राप्ताको का मध्यमान 2 36 एव प्रमाप विचलन 0 66 पाया गया तथा 'टी' परीक्षण 0 85 है ।

0 05 विश्वास स्तर पर 'टी' का मान 2 10 अभिष्ट मान है अत प्रस्तुत 'टी' का मान 0 86 कम है अत यहॉ निराकरणीय परिकल्पना को स्वीकार किया जाता है । अत यहॉ यही मानना पडेगा कि दोनो समूहो के मध्यमानो मे सार्थक अतर नही है ।

परिकल्पना क02

प्राथमिक स्तर पर दृष्टिहीन और सामान्य विद्यार्थियो की सामाजिक समेकन सबधी धारणा मे कोई अतर नही होता है ।

तालिका क02

प्राथमिक स्तर पर दृष्टिहीन और सामाजिक विद्यार्थियो की सामाजिक समेकन सबधी धारणा मे अतर —

	दृष्टिहीन विद्यार्थी	सामान्य विद्यार्थी
प्रतिदर्श	9	11
मध्यमान	10 66	1 0
प्रमाप विचलन	2 09	1 70
'टी' अनुपात	74	

मुक्तांश 18 'टी' परीक्षण (0 05) — 2 88 प्रस्तुत 'टी' का मान 74 परिणाम (निरर्थक) सार्थक नहीं ।

व्याख्या :-

तालिका 2 के अवलोकन के आधार पर प्राथमिक स्तर के दृष्टिहीन व सामान्य विद्यार्थियो की सामाजिक समेकन सबधी धारणा मे दृष्टिहीन विद्यार्थियो की सामाजिक समेकन सबधी धारणा के प्राप्ताको 2 09 व पाया गया तथा सामान्य विद्यार्थियो की धारणा के प्राप्ताको का मध्यमान 10 व प्रमाप विचलन 1 70 है तथा 'टी' परिक्षण 74 पाया गया ।

0 05 व 0 01 विश्वास स्तर पर 'टी' का अभिष्ट मान 2 10 व 2 88 है अत 'टी' का मान 74 कम है, अत सार्थक अतर नही है यहॉ निराकरणीय परिकल्पना की दोनो समूहो के मध्यमानो मे अतर नहीं है ।

परिकल्पना क 03

प्राथमिक स्तर के दृष्टिहीन और सामान्य विद्यार्थियो की शैक्षणिक समेकन मे अतर

	दृष्टिहीन विद्यार्थी	सामान्य विद्यार्थी
प्र ति द र्श	3	1 4
मध्यमान	3 33	2 42
प्रमाप विचलन	0 48	0 84
टी अनुपात	2 67	

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

मुक्ताश 15 टी परीक्षण (005) पर 2 13 एव 'टी' (0 01) — 2 95 प्रस्तुत 'टी' का मान — 2 67 परिणाम (सार्थक)

व्याख्या -

तालिका 3 के अवलोकन के आधार पर उच्च प्राथमिक स्तर के दष्टिहीन और सामान्य विद्यार्थीयो की शैक्षणिक समेकन सबधी धारणाओ के प्राप्ताको का मध्यमान 3 33 है तथा प्रमाप विचलन 0 84 पाया गया है तथा सामान्य विद्यार्थीयो का मध्यमान 2 42 है । 0 05 विश्वास स्तर पर'टी' का अभिष्ट मान 2 18 है। यह मान प्रस्तुत 'टी' का मान 2 67 अधिक है अत सार्थक अतर है । यहॉ व यही मानना पडेगा कि दोनो समूहो के मध्यमानो मे सार्थक अतर है ।

परिकल्पना क्र. 4

उच्च प्राथमिक स्तर पर दृष्टिहीन और सामान्य स्तर पर सामाजिक समेकन सबधी धारणा मे कोई अतर नही होता है ।

तालिका क्र 4

उच्च प्राथमिक स्तर पर दृष्टिहीन और सामान्य विद्यार्थियो की सामाजिक समेकन सबधी धारणा मे अतर –

	दृष्टिहीन विद्यार्थी	सामान्य विद्यार्थी
प्र तिदर्श	3	1 4
मध्यमान	1 2	10 14
प्रमाप विचलन	66	26 10
'टी' अनुपात	26	

मुक्ताश 15 'टी' अनुपात(05) = 2 13 व (05) = 2 96 प्रस्तुत 'टी' मान 26 परिणाम निरर्थक (सार्थक नही) ।

व्याख्या –

तालिका 4 के अवलोकन के आधार पर माध्यमिक स्तर के दृष्टिहीन और सामान्य विद्यर्थियो की सामाजिक समेकन सबधी धारणा मे कोई अतर नहीं पाया गया, दृष्टिहीन विद्यार्थियो के सामाजिक समेकन सबधी धारणा के प्राप्ताको का मध्यमान 12 है, तथा प्रमाप विचलन 0 66 है । सामान्य विद्यार्थियो के सामाजिक समेकन की सबधी धारणा के प्राप्ताको का मध्यमान 10 14 है व प्रमाप विचलन 26 10 है । अत 'टी' का अविष्टमान 26 है । 0 05 के स्तर पर 'टी' का मान 2 13 है जो प्रस्तुत 'टी' का मान 26 है । अत निराकरणीय परिकल्पना स्वीकार की जाती है । अत हम कह सकते हैं कि दोनो समुहो के मध्यमानो मे सार्थक अतर नहीं है

परिकल्पना क0 5

प्राथमिक और उच्च प्राथमिक दृष्टिहीन विद्यार्थियो मे शैक्षणिक समेकन सबधी धारणाओ मे कोई अतर नही होता ।

तालिका 5

प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्तर पर दृष्टिहीन विद्यार्थियो से शैक्षणिक समेकन सबधी धारणा मे कोई अतर नही होता ।

	दृष्टिहीन विद्यार्थी	सामान्य विद्यार्थी
प्रतिदर्श	9	3
मध्यमान	2 55	3 33
मध्यमान	2 55	3 33
प्रमाप विचलन	0 51	48
'टी'अनुपात	2 6	

मुक्ताश 10 'टी' अनुपात (05) = 2 23 प्रस्तुत 'टी' मान = 2 6 परिणाम निरर्थक (सार्थक नही) ।

व्याख्या -

तालिका 5 के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्तर पर दृष्टिहीन विद्यार्थियो की शैक्षणिक समेकन सबधी धारणा मे कोई अतर नही है । प्राथमिक स्तर पर दृष्टिहीन विद्यार्थियो की शैक्षणिक समेकन सबधी धारणा के प्राप्ताको का मध्यमान 2 55 व प्रमाप विचलन 0 51 पाया गया उच्च प्राथमिक स्तर पर दृष्टिहीन विद्यार्थियो के शैक्षणिक समेकन के सबधी धारणा का मध्यमान 3 33 एव प्रमाप विचलन 0 48 पाया गया तथा 'टी' का मान पाया गया 005 के विश्वास स्तर पर 'टी' का मान 2 13 है जैसे प्रस्तुत 'टी' का मान 2 6 छोटी है ।अत निराकरणीय परिकल्पनीय स्वीकार की जाती है ।अत कह सकते हैं कि दोनो समुह के मध्यमान मे सार्थक अतर नही है।

परिकल्पना 6

प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्तर पर दृष्टिहीन विद्यार्थियो मे सामाजिक समेकन सबधी धारणा मे कोई अतर नही होता ।

तालिका 6

प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्तर पर दृष्टिहीन विद्यार्थियो मे सामाजिक समेकन सबधी धारणा मे अतर –

दृष्टिहीन विद्यार्थी

	प्राथमिक स्तर	उच्च प्राथमिक स्तर
प्रतिदर्श	9	3
मध्यमान	10 66	12
प्रमाप विचलन	2 09	66
'टी' अनुपात	1 71	

मुक्ताश 10 'टी' अनुपात (05) = 223 प्रस्तुत 'टी' मान 1 17 परिणाम निरर्थक (सार्थक नही) ।

व्याख्या :-

तालिका 5(बी) के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्तर पर दृष्टिहीन विद्यार्थियो मे सार्थक अतर है । प्राथमिक स्तर पर दृष्टिहीन विद्यार्थियो मे सामाजिक समेकन सबधी धारणा के प्राप्ताको का मध्यमान 10 66 व प्रमाप विचलन 2 09 पाया गया । उच्च प्राथमिक स्तर पर दृष्टिहीन विद्यार्थियो मे मध्यमान 12 एव प्रमाप विचलन 0 66 पाया गया । अत 'टी' का अभिष्ट मान 2 13 है जो प्रस्तुत 'टी' के मान –2 44 से छोटी है । 0 5 स्तर पर 'टी' का अभिष्ट मान 2 13 है तथा प्रस्तुत 'टी' का मान 1 17 कम है । अत निराकरणीय परिकल्पना को अस्वीकार किया जाता है । अत दोनो समूहो के मध्यमानो मे सार्थक अतर नही है ।

परिकल्पना 7

प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्तर पर सामान्य विद्यार्थियो की शैक्षणिक समेकन सबधी धारणा मे अतर

सामान्य विद्यार्थी

	प्राथमिक स्तर	उच्च प्राथमिक स्तर
प्रतिदर्श	1 1	1 4
मध्यमान	2 36	2 42
प्रमाप विचलन	0 66	84
'टी' अनुपात	0 2	

मुक्ताश 23 'टी' अनुपात (05) = 2 07 प्रस्तुत 'टी' मान 02परिणाम निरर्थक (सार्थक नही)।

व्याख्या 6() के अवलोकन से स्पष्ट है कि प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्तर पर सामान्य विद्यार्थियो मे शैक्षणिक समेकन सबधी धारणामे कोई अतर नही है । क्योकि सामान्य विद्यार्थियो की प्राथमिक स्तर पर प्राप्ताको का मध्यमान 2 36 व प्रमाप विचलन 66 है । तथा माध्यमिक स्तर पर सामान्य विद्यार्थी की शैक्षणिक समेकन सबधी धारणा मे का प्राप्ताक का मध्यमान 2 42 व प्रमाप विचलन 0 84 पाया गया । अत 'टी' अनुपात –0 02 है ।

0 05 विश्वास स्तर 'टी' का अभिष्ट मान 2 07 है । अत प्रस्तुत 'टी' परीक्षण 0 02 है जो कम है । अत प्रस्तुत 'टी' परीक्षण 002 है । अत निराकरणीय परिकल्पनीय स्वीकार की जाती है । अत मानना पडेगा की दोनो समूहो के मध्यमानो मे कोई अतर नही है।

परिकल्पना 8

प्राथमिक व उच्च प्राथमिक स्तर पर सामान्य विद्यार्थियो मे सामाजिक समेकन सबधी धारणा मे कोई अतर नही होता ।

तालिका 6(बी)
सामान्य विद्यार्थी

	प्राथमिक स्तर	उच्च प्राथमिक स्तर
प्रातिदर्श	11	14
मध्यमान	10	10 14
प्रमाप विचलन	1 70	26 10
'टी' अनुपात	02	

मुक्ताश 23 'टी' अनुपात (05) – 2 07 प्रस्तुत 'टी' अनुपात 02 परिणाम नरिर्थक सार्थक नही ।

व्याख्या –

तालिका 6 बी के अवलोकन से स्पष्ट होता हैकि प्राथमिक एव माध्यमिक स्तर पर सामान्य विद्यार्थियो मे सामाजिक समीकरण सबधी धारणा मे कोई अतर नही होता । प्राथमिक स्तर पर सामान्य विद्यार्थियोमे सामाजिक समेकन सबधी धारणा के प्राप्ताक का मध्यमान 10 व प्रमाप विचलन 1014 है । माध्यमिक स्तर पर सामान्य विद्यार्थियो के प्राप्ताको का मध्यमान 10 14 है । प्रमाप विचलन –26 10 है । 'टी' अनुपात 0 02 है ।

005 विश्वास स्तर पर 2 07 है तथा प्रस्तुत 'टी' अनुपात 0 02 कम है । अत निराकरणीय परिकल्पना स्वीकार की जाती है अत मानना पडेगा कि दोनो समूहो के मध्यमान सार्थक अतर नही है ।

अवलोकन सारणी के आधार पर (प्रश्नो) की प्रतिकिये इस प्रकार है –

(1) प्रश्नावली (लिखित) मे 44 लोगो की प्रतिकिया मे दी गई है ।

(2) साक्षात्कार (मौखिक) मे 24 लोगो से प्रतिकिया दी गई है ।

(3) अवलोकन (व्यवहारगत) मे 36 बार मे अवलोकनकर्ता से प्रतिकिया प्राप्त हुई ।

अवलोकन-सारणी (प्रश्नो) के आधार पर

प्रतिकियाएँ

क	प्रश्न	लोग 44 प्रश्नावली लिखित प्रतिकिया	लोग 24 साक्षात्कार मौखिक प्रतिकिया प्रतिकिया	बार 36 अवलोकन व्यवहारगत
1	30	लोग सहमत है।	12 लोग पसद करते है	22 बार कभी–कभी पाया गया।
2	27	लोग सहमत है।	14 लोग पसद करते है	14बार कभी–कभी तथा 1बार ही अधिकतर पाया गया।
3	25	लोग सहमत है।	11 लोग पसद करते है	22 बार कभी–कभी पाया गया
4	27	लोग सहमत है।	15 लोग पसदकरते	26 बार कभी–कभी तथा 1बार अधिकतर पाया गया ।
5	22	लोग सहमत है।	15 लोग पसद करते है।	28 बार कभी–कभी 2 बार अधिकतर पाया गया।
6	26	लोग सहमत है ।	14 लोग पसद करते है।	5 बारकभी कभी पाया गया ।

शिक्षक/शिक्षिका और प्रधानाचार्य की दृष्टिहीन विद्यार्थियों के प्रति समेकन की धारणा

शिक्षक/शिक्षिका और प्रधानाचार्य की समेकन की धारणा तालिका

	शिक्षक /शिक्षिका		प्रधानाचार्य
प्रतिदर्श	6		1
मध्यमान	13 75		13
प्रमाप विचलन	2 24		0
टी अनुपात		0 82	

मुक्ताश- 'टी'अनुपात (0 5) 2 02 प्रस्तुत 'टी' मान 82 परिणाम निरर्थक (सार्थक नही)

व्याख्या – शिक्षक / शिक्षिका और प्रधानाचार्य की तालिका से यह स्पष्ट होता है कि दृष्टिहीन विद्यार्थियो के प्रति समेकन कीधारणा सार्थक नही है।

शिक्षक /शिक्षिका के प्राप्ताको का मध्यमान 13 75 व प्रमाप विचलन 2 24 है तथा प्रधानाचार्य के प्राप्ताको का मध्यमान 13 व 0 है तथा टी अनुपात 82 पाया गया ।

005 विश्वास स्तर पर 'टी' का मान 202 मान है । अत प्रस्तुत 'टी' का मान 0 82 कम है । अत अतर सार्थक नही है ।